बरेली, शुक्रवार
27 अक्टूबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

PAGE NO 06, MIDDLE

लाल किले की कोठी में... मुकदमे की सुनवाई

जागरण, संवाददाता, बरेली: पर्दा उठता है, नीली रोशनी में नजर आती है लाल किले की कोठरी, जहां मुकदमे की सुनवाई चल रही है। आजाद हिंद फौज के तीन सिपाही जमीन पर बैठे हैं। दलीलें जारी हैं। यह सीन किसी फिल्म का नहीं, बल्कि एसआरएमएस रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र में चल रहे इंद्रधनुष-3 थिएटर फेस्टिवल में गुरुवार को हुए नाटक लाल किले का आखिरी मुकदमे का है।

नाटक लाल किले का आखिरी मुकदमा ● सौजन्य से कलाकार

फेस्टिवल के दूसरे दिन शाम चार बजे डा. एम सईद आलम के निर्देशित इस चर्चित नाटक की की शुरुआत होती है। तीन विचाराधीन कैदियों पर देशद्रोह के आरोप में चल रहे मुकदमे से। यह मेजर जनरल शाहनवाज खान, कर्नल जीएस ढिल्लो और लेफ्टिनेंट कर्नल पीके सहगल हैं। तीनों कैदी कोठी में बैठे हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भाषणों और विचारों की चर्चा कर रहे हैं। फिर एक सुर में कह रहे हमें आजादी के लिए लड़ना है। किले की कोठी में चल रहे मुकदमें कैदियों की तरफ से भूला भाई देसाई वकालत कर रहे हैं, जोकि बीच-बीच में जरूरी चीजें भूल जाते हैं, लेकिन बहस के दौरान भूला भाई जोश और उत्साह से कैदियों का पक्ष रखते हैं। भूला भाई का किरदार मृणाल माथुर ने निभाया। यश मल्होत्रा, रोहित सोनी और डाक्टर एम सईद आलम आजाद हिंद फौज के सिपाही की भूमिका में रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूबी एरिया बरेली के मेजर जनरल जे. देवनाथ मौजूद रहे। इस दौरान श्रीराममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति और डाक्टर एमएस बुटोला ने दीप प्रज्जवित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।